No. of Printed Pages : 3 **MJY-002**

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम.जे.वाई.-002 : सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : यह प्रश्न-पत्र कुल **दो** खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के विस्तत उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. सिद्धान्त ज्योतिष का विस्तार से परिचय लिखिए।
2. भूगोल के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. ग्रहगति क्या है ? विस्तृत विवेचना कीजिए।

4. मध्यमग्रह साधन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. सूर्यादि ग्रहों के भगणों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

6. काल की अवधारणा विषयक मतों को विस्तार से लिखिए।

खण्ड-ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. अक्षांश और देशान्तर को परिभाषित कीजिए तथा उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए।

2. गोलबन्धाधिकार क्या है ? वर्णन कीजिए।

3. गोल की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए गोलाध्याय के विषयों का वर्णन कीजिए।

4. भूमि की उत्पत्ति और आधार पर सिद्धान्त ज्योतिष के मत का वर्णन कीजिए।

5. भास्करोक्त भगण चिन्तन का उल्लेख कीजिए।

6. वक्रगति किसे कहते हैं ? कारण सहित वर्णन कीजिए।

7. अहर्गण क्या है ? इसके स्वरूप एवं भेद का वर्णन कीजिए।

8. सूर्यसिद्धान्त पर आधारित मध्यम ग्रह साधन का विवेचन प्रस्तुत कीजिए।